शक्ति का त्रिकोण : 50 किमी के दायरे में तीन सिद्ध पीठ

नवसंवत्सर : अंचल में मां जालपा, भैंसवामाता, बगलामुखी के रूप में 3 सिद्धपीठ त्रिकोणीय स्थिति में मौजूद

चैत्र नवरात्रि का पहला दिन, होगी घट स्थापना

देवी स्थलों तक प्रतिदिन होंगे अनुष्ठान, प्रसिद्ध आशापुरा मंदिर पड़ाना में होंगे नौ दिन विशेष आयोजन

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 18 मार्च, का. आज नवसंवत्सर हिन्दू नववर्ष विक्रमांक 2083 प्रारंभ हो रहा है. संवत्सर परावसु नामक है. आज से चैत्र नवरात्रि की शुरूआत हो रही है. जिले व अंचल में नवरात्रि का पर्व विशेष अनुष्ठान, पूजा-अर्चना के साथ मनाया जाता है. यह राजगढ़ जिले और अंचल का सौभाग्य है कि 50 किमी के दायरे में यहां 2 सिद्धपीठ और एक शक्तिपीठ मौजूद है. खास बात यह है कि ये तीनों शक्ति स्थल त्रिकोणीय ज्यामितीय स्थिति में मौजूद है.

राजगढ़ जिले की पहचान मां जालपा और भैसवामाता के विशेष, दिव्य स्थानों की वजह से है. इसके साथ ही अंचल के पड़ोसी जिले आगर मालवा के नलखेड़ा स्थित बगुलामुखी मंदिर शक्तिपीठ के रूप में पहचाना जाता है.

आदि शक्ति के यह तीनों दिव्य स्थल जाग्रफिकली त्रिकोणीय स्थिति में स्थित है. विशेष बात यह है कि इन तीनों स्थानों की आपसी दूरी औसतन 50 किमी है. अगर किसी श्रद्धालु को जालपा जी से भैसवामाताजी जाना है तो इसकी दूरी लगभग 50 किमी है. अगर किसी को भैसवामाता जी से नलखेड़ा जाना है तो इसकी दूरी 51 किमी है. इस प्रकार तीनों प्रसिद्ध देवीय स्थल 50 किमी की दूरी पर स्थित है.

मां बगलामुखी : तंत्र साधना का अद्भुत और अनूठा केन्द्र

राजगढ़ जिले की सीमा रेखा से जुड़े आगर मालवा जिले का सौभाग्य है कि उसकी एक तहसील नलखेड़ा में मां बगुलामुखी विराजित है . यह स्थान अपनी चमत्कारिक शक्ति के लिये जाना जाता है . पाण्डवकालीन यह मंदिर द्वापर युग में बना हुआ माना जाता है . नवरात्रि में इस स्थान का विशेष महत्व हो जाता है . यहां लोग विभिन्न मनोरथ पूरे कराने साधना, अनुष्ठान करते है . राजनीति, फिल्म, उद्योग और क्रिकेट जगत के लगभग सभी बड़े लोग यहां सिर झुकाते है . यहां काफी विशाल यज्ञशाला है जहां हमेशा हवन, अनुष्ठान चलते रहते है .

मां जालपाधाम राजगढ़

उल्टा स्वास्तिक बनाने के बाद होती है मनोकामना पूर्ण

राजस्थान से लगी मरूभूमि पर मौजूद ऊंची पहाड़ी पर मां जालपा अपने भक्तों को अपने स्नेह की ठण्डी छांव प्रदान करती है . माना जाता है कि यह स्वप्राकट्य है और भील राजाओं की देवी है . राजस्थान के बांसखेड़ी मेवातिया में भी मां जालपा का मंदिर है . यह भारत का एकमात्र देवीस्थल है जहां उल्टा स्वास्तिक बनाया जाता है . मनोकामना पूर्ण होने पर लोग यहां दर्शन करने पहुंचते है . विवाह और संतान प्राप्ति के लिए उल्टा स्वास्तिक बनाने की प्रथा है . जालपा मंदिर से मां बगुलामुखी मंदिर नलखेड़ा जाने के लिये और भैसवामाता मंदिर जाने का सीधा रास्ता है . शादी विवाह के बाद नए जोड़ों को यहां विशेष रूप से दर्शन कराया जाता है . इसके साथ ही यहां विवाह पूर्व मां को आमंत्रण देने की परंपरा काफी प्राचीन है . मां जालपा राजस्थान के लोगों के लिए भी विशेष आस्था का तीर्थ है .

भैंसवामाताजी , सारंगपुर

घर-घर पूजी जाती हैं मां बीजासन, संतान प्राप्ति के लिए होती है गोदभराई

सारंगपुर ब्लॉक में और नलखेड़ा व राजगढ़ से बराबर दूरी करीब 50 किमी पर मौजूद भैंसवामाताजी और मां बीजासन भी कहा जाता है . मां बीजासन की आराधना घर-घर में होती है . मान्यता है कि यहां संतान की कामना के लिए गोदभराई का आयोजन किया जाता है . मां भैंसवाधाम पर वर्तमान में वृहद स्तर पर मंदिर, कॉरिडोर, नवगृह वाटिका सहित विकास कार्य जारी है . भविष्य में यहां बड़ा शक्तितीर्थ के रूप विकसित होगा .

श्रद्धा, आस्था व आराधना का केन्द्र हैं तीनों दैवीय स्थल

तीनों प्रमुख दैवीय स्थल हर श्रद्धालुओं के लिये श्रद्धा, आस्था, साधना व अराधना के केन्द्र है. नवरात्रि में तीनों स्थानों पर श्रद्धालुओं की बड़ी तादात यह साबित करती है कि इन स्थानों के प्रति किस प्रकार सभी का अटूट विश्वास है . अंचल ही नहीं सुदूर क्षेत्र से आने वाले श्रद्धालुओं में यह स्थल आकर्षण ही नहीं चमत्कार का केन्द्र है. इतना ही नहीं दूर-दूर से लोग यहां दर्शन के लिए आते है. नवभारत इन तीनों शक्ति स्थलों के विषय में विशेष जानकारी का प्रकाशन कर रहे है. इन तीनों शक्ति स्थलों का आध्यात्मिक रूप से और साधना स्थल के रूप में अपना विशेष महत्व है.

प्रतिदिन होंगे मां के दरबार में जप, तप, अनुष्ठान

जालपा माता मंदिर में प्रतिदिन जप, तप साधना होगी . चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व का शुभारंभ गुरुवार से हो रहा है . नव संवत्सर एवं गुड़ी पड़वा के अवसर पर सिद्धपीठ मां जालपा देवी की टेकरी पर अभिजीत मुहूर्त में विधि-विधान से घटस्थापना की जाएगी . मंदिर परिसर में नवरात्रि के दौरान धार्मिक अनुष्ठानों और भक्तिमय आयोजनों की विशेष तैयारियां की गई हैं . पंडित धीरेंद्र शास्त्री के अनुसार नवरात्रि के दौरान मंदिर में प्रतिदिन पूजन-अर्चना, पाठ, हवन एवं यज्ञ आदि धार्मिक अनुष्ठान आयोजित होंगे . सुबह-शाम विशेष रूप से भव्य आरती होगी . जिसमें बहुतायत में श्रद्धालु शामिल होते है . मंदिर परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया है . अष्टमी और नवमी तिथि पर मां का विशेष स्वर्ण श्रृंगार किया जाएगा . नो दिनों तक यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए हर पल आकर्षण लिये रहता है . इन दिनों में दूर-दराज से आने वाले भक्तों की भीड़ उमड़ती है .

यज्ञ, रामकथा और मां की आराधना से गूंजेगा मंदिर परिसर

मां भैसवामाताजी का स्थल भी अति प्राचीन है . वर्तमान में इस स्थल को भव्य स्वरूप मिलने से यहां का आकर्षण कई गुना बड़ता जा रहा है . श्रद्धालुओं में यहां आने के प्रति गहरी रूचि जागृत हुई है . मंदिर धाम के सर्वांगीण विकास का क्रम पिछले तीन-चार वर्षो से सतत् चल रहा है . मंदिर परिसर की आभा अगल ही दिखाई देने लगी है . आसपास विकास के कार्यो के साथ ही पौधरोपण आदि के माध्यम से यह स्थान धार्मिक और रमणिक भी होता जा रहा है . नवरात्रि के अवसर पर यहां प्रतिवर्ष विशेष आयोजन होते है . नो दिनों तक यहां एक अलौकिक आध्यात्मिक महाकुंभ के रूप में नजर आयेगा . पहले दिन से भव्य 108 कुंडीय श्री शतचंडी महायज्ञ शुरू हो रहा है . गुरुवार को प्रात : 9 बजे भव्य कलश यात्रा निकाली जायेगी . जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं, बालिकाएं विशेष रूप से शामिल होंगी .

दोपहर तीन बजे से प्रेमभूषण की रामकथा- इस वर्ष नवरात्रि महोत्सव में दोपहर तीन बजे से प्रसिद्द कथावाचक प्रेममूर्ति प्रेमभूषण जी महाराज अयोध्या धाम के मुखारबिंद से रामकथा की शुरुआत होगी . नो दिनों तक लगातार चलने वाले भव्य संगीतमय रामकथा प्रतिदिन दोपहर तीन बजे से शाम सात बजे तक चलेगी .

चमत्कारिक स्थल पर नौ दिनों तक विशेष अनुष्ठान

राजगढ़ जिले की सीमा रेखा से जुड़े आगर मालवा जिले के नलखेड़ा में स्थित मां बगुलामुखी का मंदिर अपनी चमत्कारिक पहचान रखता है . तीन मुखों वाली त्रिशक्ति माता बगलामुखी का यह पाण्डवकालीन मंदिर नलखेड़ा में लखुंदर नदी के किनारे स्थित है . द्वापर युग में बने इस मंदिर को अत्यंत चमत्कारिक माना जाता है . यहां देशभर से श्रद्धालु, साधु महात्मा अनुष्ठान के लिए आते है . मां बगुलामुखी को तंत्र-मंत्र और साधना की देवी माना जाता है . लोग यहां यज्ञ करवाते हैं जिससे उनके विभिन्न मनोरथ पूरे होते है . भारत में राजनीति, फिल्म, उद्योग और क्रिकेट जगत के लगभग सभी सेलिब्रिटी और बड़े लोग यहां सिर झुकाते है . लोग अपने कष्टों के निवारण के लिए यहां सर्वसिद्धी यज्ञ भी करते हैं . यहां काफी विशाल यज्ञशाला है जहां हमेशा हवन की ऊंची-ऊंची लौ देखी जा सकती है . यह मंदिर परिसर हमेशा मंत्रों से गुंजायमान रहता है . यह शक्तिपीठों में गिना जाता है . यह पौराणिक महत्व का स्थान है और जिले से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते है . ऐसा कहा जाता है कि मंदिर की स्थापना महाभारत में विजय पाने के लिए भगवान कृष्ण के निर्देश पर महाराजा युधिष्ठिर ने की थी .

एक नजर में

विक्रमोत्सव आज से, राज्यमंत्री होंगे शामिल

राजगढ़ 18 मार्च, का. मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग मंत्रालय द्वारा आयोजित विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत सृष्टि आरंभ दिवस वर्ष प्रतिपदा (विक्रम संवत 2083) के शुभ अवसर पर 19 मार्च, 2026 को प्रातः 10 बजे पूर्वाह्न जिला मुख्यालय राजगढ़ में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा . इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मछुआ कल्या ण एवं मत्स्य् विकास विभाग श्री नारायण सिंह पंवार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे . कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी . कलेक्टर डॉ . गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा नव संवत्सर के महत्व पर उद्बोधन दिया जाएगा . प्रस्तुति दल द्वारा मंच पर ब्रह्म ध्वज का वंदन किया जाएगा तथा अतिथियों द्वारा ब्रह्म ध्वज वंदन एवं पुस्तकों का वितरण किया जाएगा . जिला प्रशासन द्वारा विक्रम संवत की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला जाएगा . कार्यक्रम में महाराजा विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति भी आकर्षण का केंद्र रहेगी . जिसे म .प्र . नाट्य विद्यालय भोपाल द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा .

मऊ में हरिप्रसाद जायसवाल दिवंगत

पड़ाना 18 मार्च, सं . बुधवार समीप के ग्राम मऊ में हंसमुख मिलनसार सेवाभावी जयसवाल बस संचालक हरिप्रसाद जायसवाल की अचानक तबीयत खराब हो जाने के कारण 65 वर्ष की उम्र में निधन हो गया . निधन की जानकारी मिलते ही ग्रामवासी सहित परिजन पड़ोसी ईस्ट मित्र समाज जनों में शोक की लहर छा गई . जिनकी शव यात्रा बुधवार शाम निज निवास से निकलते हुए सार्वजनिक मुक्तिधाम ले जाया गया . इस दौरान शव यात्रा में सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण जन सहित शहरी व ग्रामीण अंचल के लोग उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की . वही उनके पुत्र मनोज जायसवाल, विनोद जायसवाल, अंकित जायसवाल ने मुखाग्नि दी .

प्रजापति समाज का विवाह सम्मेलन 20 अप्रैल को

ब्यावरा 18 मार्च, का . प्रजापति समाज का तृतीय जिला स्तरीय आदर्श सामूहिक नि:शुल्क विवाह सम्मेलन का आयोजन सभी समाजजनों के सहयोग से ब्यावरा तहसील के ग्राम चाठा में सम्पन्न होगा . पूरा सम्मेलन नि:शुल्क रखा गया है जिसमें वर वधु पक्ष से कोई राशि नहीं ली जायेगी. यह सम्मेलन प्रजापति समाज के जनसहयोग से सम्पन्न होगा . सम्मेलन 20 अप्रैल सोमवार को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक सम्पन्न होगा . सम्मेलन में वर-वधु के पंजीयन हो रहे है . जिसमें वर की आयु 21 वर्ष और वधु की आयु 18 वर्ष होना अनिवार्य है . इस विवाह सम्मेलन में जोड़ों की संख्या में कोई पाबंद नहीं है . जितने भी जोड़े होंगे सभी अंतिम पंजीयन दिनांक 01 अप्रैल तक लिये जायेंगे . दिनांक 10 अप्रैल 2026 रविवार को ग्राम चाठा स्थित श्री हनुमान मंदिर से पाती दी जावेगी . वर वधु का पंजीयन कराते समय जन्म प्रमाण पत्र, अंकसूची जिसमें जन्म दिनांक अंकित है . साथ ही दो फोटो सम्मेलन समिति के पास जमा करना होगा . सम्मेलन स्थल पर शराब का सेवन व नशा करके आने पर 11 हजार का जुर्माना लगाया जावेगा . सम्मेलन स्थल पर विवाद करने पर 21 हजार का जुर्माना लगाया जावेगा . वरपक्ष सम्मेलन स्थल पर ढोल ढमाके, बैंडबाजे, डीजे लाना पूर्णतः प्रतिबंध है . साथ ही दहेज लाना भी प्रतिबंध है .

भगवत प्राप्ति का मार्ग लक्ष्य, सादगी और सद्गुणों से ही बनेगा जीवन सफल

नवभारत न्यूज

सुठालिया 18 मार्च, सं. नगर के पीला खाल खेल मैदान पर चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा में कथा वाचक प्रेम नारायणजी ने कहा कि यदि मनुष्य को भगवत प्राप्ति करनी है, तो सबसे पहले उसे अपने जीवन का स्पष्ट लक्ष्य तय करना होगा. बिना लक्ष्य के जीवन भटकता रहता है, लेकिन जब लक्ष्य भगवान की ओर होता है, तो हर कदम स्वयं सही दिशा में बढ़ने लगता है. उन्होंने समझाया कि मनुष्य का स्वभाव ही उसके जीवन का निर्माण करता है. यदि हम दूसरों के दोष देखने की आदत डाल लेते हैं, तो वही दोष धीरे-धीरे हमारे भीतर भी आ जाते हैं. इसके विपरीत यदि हम दूसरों के गुणों को अपनाने का प्रयास करें, तो हमारे भीतर भी सद्गुणों का विकास होने लगता है. इसलिए जीवन में सकारात्मक दृष्टि रखना अत्यंत आवश्यक है. उन्होंने समाज में बढ़ती फिजूलखर्ची पर चिंता जताते हुए उन्होंने विवाह जैसे पवित्र संस्कार को सादगी से करने की अपील की. उन्होंने कहा कि आजकल शादियों में दिखावे और डीजे जैसी परंपराओं पर अनावश्यक खर्च किया जा रहा है, जिससे आर्थिक बोझ भी बढ़ता है और संस्कारों की गरिमा भी कम होती है. सुनील सरावत मित्र मंडल द्वारा आयोजित इस कथा में हर रोज हजारों की संख्या में लोग कथा रसपान कर रहे है. कथा के तृतीय सौपान में जिप अध्यक्ष चंदर सिंह सौंधिया, नारायण सिंह सालरियाखेड़ी, जगदीश पंवार, मोहन पंवार, मोहन लोधी, अशोक अग्रवाल, महेश पालीवाल धीरप सरपंच, पर्वत सिंह खनोटा, पुष्पा पंवार, कमल पंवार सहित अन्य मौजूद रहे.

स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश और आनंद देना जीवन का लक्ष्य बनाएं

नवभारत न्यूज

सारंगपुर 18 मार्च, सं. जैसे छोटी-सी अगरबत्ती से पूरा कमरा सुवासित हो जाता है, उसी प्रकार स्वयं जलकर भी दूसरों को सुख शांति, आनंद प्रदान करना चाहिए. असंयमी होकर भटके लोगों को कोरोना ने संयम का पाठ पढा दिया. रोग हो और उसकी चिकित्सा न हो ऐसा हमारे आयुर्वेद में है ही नहीं. भारत में आहार ही औषधि है, जो शक्तिप्रद और बुद्धि के विकास में सहायक है. यह बात जिन कुशल सुरीस्वर शांतिनाथ दादावाड़ी उपासरे में पहुंची छत्तीसगढ रत्न शिरोगणि महत्तरा पद विभूषिता गुरुवर्षा प. पू मनोहर श्रीजी मसा की सुशिष्याओं युवा संस्कार भारती प. पू लयस्मिता श्रीजी मसा ने व्यक्त की. शुजालपुर से प्रस्थान कर सलसलाई से सारंगपुर पहुंची प. पू लयस्मिता श्रीजी मसा, अमीवर्षा श्रीजी मसा, भव्योदयाश्रीजी मसा, गुणोदया श्रीजी मसा तथा जिनवर्षा श्रीजी मसा की अगवानी श्वेतांबर जैन समाज अध्यक्ष प्रदीप बरडिया, प्रियंख पारख, प्रदीप श्रीमाल, वैभव श्रीमाल, सुनीता श्रीमाल, समरथमल पारख, ललिता श्रीमाल, प्रीतिबाला बाफना आदि ने की.

प्रभात फेरी में ढोलक पर नन्हें बालक का शानदार प्रदर्शन

नवभारत न्यूज

जीरापुर 18 मार्च, सं. नगर में प्रात: प्रतिदिन निकलने वाली प्रभात फेरी एक धार्मिक आस्था और पवित्र परंपरा की अनोखी मिसाल बनती जा रही है, जो धार्मिक श्रद्धालु भक्तों को आध्यात्मिक एवं धर्म के प्रति प्रेरित कर रहीं हैं. एक ओर जहां धर्म की ओर प्रेरित करतीं हैं, वही शारीरिक रूप से प्रात: जल्दी जगाने का काम कर रही है. जिससे स्वास्थ्य लाभ भी मिलता है. यह न केवल ईश्वर के नाम का संकीर्तन है, बल्कि शहर के वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर देने का एक प्रयास माना जा रहा है. प्रभात फेरी में महिला पुरुष हरि के गुणगान में पैदल चलते हैं. वहीं इस प्रभात फेरी में एक बालक जो

बेहतरीन ढोलक बजा कर अपनी कला का प्रदर्शन करता आकर्षण का केंद्र बिन्दु रहता है, खेलने कूदने की उम्र में भी प्रभु के प्रति आस्था का नजारा एक अच्छे माता-पिता के द्वारा दिए संस्कारों को प्रदर्शित करता है.

23 को 9वीं , 11वीं और 25 तक 5वीं , 8वीं के रिजल्ट होंगे घोषित

19 से लेकर 22 तक अवकाश के कारण हो रही देरी

1 सप्ताह बाद नवीन शिक्षा सत्र होगा शुरू

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 18 मार्च, का. बीते दिनों 5 वीं, 8 वीं, 9 वीं और 11 वीं कक्षा की परीक्षाएं सम्पन्न हो चुकी है. वहीं उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य भी लगभग पूर्ण हो चुका है. आगामी दस दिनों के बाद नवीन शिक्षा सत्र 1 अप्रैल से प्रारंभ हो जाएगा. ऐसे में अब स्कूली शिक्षा विभाग आगामी 23 से 25 मार्च के बीच वार्षिक परीक्षा परिणाओं की घोषणा करने जा रहा है.

जिला शिक्षा कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार करीब ढाई लाख से अधिक उत्तर पुस्तिकाओं की जांच की गई है. मूल्यांकन के लिए करीब दो दर्जन से अधिक टीमें इस बार काम संभाल रही है. पूरी पारदर्शिता और चौकस व्यवस्थाओं के बीच उत्तर पुस्तिकाओं की जांच की जा रही है.

कंट्रोल रूप से सभी केन्द्रों की निगरानी की जा रही है वहीं सीसीटीवी कैमरों की नजर में उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया गया है. संभवत: आज 18 मार्च को मूल्यांकन का कार्य पूर्ण हो चुका है. गत वर्ष भी इसी अवधि में मूल्यांकन कार्य पूर्ण किया गया था. मूल्यांकन केन्द्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार परीक्षा परिणाम ऑनलाईन घोषित किया जाना है. इसके लिए सभी जानकारी पोर्टल पर भरी जा रही है. उल्लेखनीय है कि आगामी 1 अप्रैल से प्रवेशोत्सव भी मनाया जाएगा. नव प्रवेशी बच्चों का शालाओं में स्वागत की प्रक्रिया भी की जाएगी. इसे लेकर भी शिक्षा विभाग तैयारियां कर रहा है.

उत्सव कपिलेश्वर तीर्थ में भूतड़ी अमावस्या पर लगाई आस्था की डुबकी

अमावस्या पर कालीसिंध में लगाई आस्था की डुबकी

नवभारत न्यूज

सारंगपुर 18 मार्च, सं. चैत्र मास की कृष्ण पक्ष अमावस्या बुधवार को भूतड़ी अमावस्या पर श्री कपिलेश्वर घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. सुबह 5 बजे से ही आसपास के गांवों और शहरों से आए लोगों ने कालीसिंध नदी में आस्था की डुबकी लगाई और पितरों की शांति के लिए तर्पण व पूजन किया. श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद बाबा कपिलेश्वर मंदिर में जलाभिषेक किया.

उन्होंने नवग्रह देवताओं की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की. आचार्य कैलाश शर्मा के अनुसार, भूतड़ी अमावस्या के दिन पितृ लोक के द्वार खुलते हैं और पूर्वज अपने परिजनों को आशीर्वाद देने पृथ्वी पर आते हैं. कपिलेश्वर तीर्थ धाम के पंडित संतोष पुरी ने जानकारी दी कि सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा.

नि :शुल्क प्याऊ का शुभारंभ

नवभारत न्यूज, सारंगपुर 18 मार्च, सं. मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा प्रसिद्ध श्री शिलानाथ धुना परिसर में सेक्टर बैठक का आयोजन किया गया. बैठक जिला समन्वयक प्रवीण सिंह पंवार की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में ब्लॉक समन्वयक बद्रीलाल बामनिया ने जन अभियान परिषद द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी. जिला समन्वयक प्रवीण सिंह पंवार ने आगामी जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत कुआं, बावड़ी, नदी-नालों की सफाई एवं संरक्षण को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए. बैठक के उपरांत कीड़ी रोड स्थित किशनपुरा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति द्वारा आमजन की सुविधा हेतु खोले गए निशुल्क प्याऊ का शुभारंभ समाजसेवी सुशील व्यास के द्वारा किया गया. इस अवसर पर नवांकुर संस्था प्रभारी रामविलास लोदी, नवीन रुण्डवाल, पुरुषोत्तम चंद्रवंशी, राधेश्याम मेवाड़ा, मनोहर लववंशी, अनिल मेवाड़ा सहित नगर एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे.